है.....मुझे ऐसा जान पड़ा मानो किसी जीवित प्राणी के गले में किसी मृत जन्तु का तौक डाल दिया गया हो, वह उसे उतार कर फेंकना चाहे, पर उतार न पाए ।

(ग) शहर में आग लगी थी । बात डिब्बे भर के मुसाफिरों को पता चल गई और वे लपक-लपक कर खिड़कियों में से आग का दृश्य देखने लगे। जब गाड़ी शहर छोड़कर आगे बढ़ गई तो डिब्बे में सन्नाटा छा गया । मैंने घूमकर डिब्बे के अंदर देखा, दुबले बाबू का चेहरा पीला पड़ गया था और माथे पर पसीने की परत किसी मुर्दे के माथे की तरह चमक रही थी । मुझे लगा जैसे सभी मुसाफिरों ने अपने आसपास बैठे लोगों का जायजा ले लिया है । सरदार जी उठकर मेरी सीट पर आ बैठे । नीचे वाली सीट पर बैठा पठान उठा और अपने दो साथी पठानों के साथ ऊपर वाली बर्थ पर चढ़ गया ।

अथवा

नीचे पटरी के साथ-साथ भागती औरत बड़बड़ाए और कोसे जा रही थी । उसे भी मालूम नहीं हो पाया था कि क्या हुआ है ? वह अभी भी शायद यही समझ रही थी कि गठरी के

Roll No. ..... **Exam Code : J-21**

Subject Code—52811

M. A. EXAMINATION

(Main) (Batch 2020 Onwards)

(First Semester)

HINDI

MAHN-103

Paper–C

Adhunik Gadya Sahitya (Part-I)

(Compulsory Subject)

Time : 3 *Hours* *Maximum Marks :* 80

नोट : निर्देशानुसार सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. निम्नलिखित गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **3×7=21**

(क) अन्त:पुर कलह का रंगमंच बना रहता, इसी से प्राय: पन्ना काशी के राजमन्दिर में आकर पूजा-पाठ में अपना मन लगाती । रामनगर में उसको चैन

नहीं मिलता । नई रानी होने के कारण बलवन्त सिंह की प्रेयसी होने का गौरव तो उसे था ही, साथ में पुत्र उत्पन्न करने का सौभाग्य भी मिला, फिर भी असवर्णता का सामाजिक दोष उसके हृदय को व्यथित किया करता । उसे अपने ब्याह की आरम्भिक चर्चा का स्मरण हो गया ।

अथवा

कुत्ते की देह से जाने कैसी दुर्गन्ध आ रही थी, पर वह उसे अपनी गोद में चिपटाए हुए ऐसे सुख का अनुभव कर रहा था, जो इधर महीनों से उसे नहीं मिला था । जबरा शायद समझ रहा था कि स्वर्ग यही है; और हल्कु की पवित्र आत्मा में तो उस कुत्ते के प्रति घृणा की गन्ध तक न थी । अपने किसी अभिन्न मित्र या भाई को भी वह इतनी ही तत्परता से गले लगाता । वह अपनी दीनता से आहत न था, जिसने आज तक उसे इस दशा को पहुँचा दिया । नहीं, इस अनोखी मैत्री ने जैसे उसकी आत्मा के सब द्वार खोल दिए थे और उसका एक-एक अणु प्रकाश से चमक रहा था ।

(ख) चौधरी में उस दृश्य को देख सकने की ताब न थी, परन्तु द्वार पर खड़ी भीड़ ने देखा—घर की औरतें और लड़कियाँ परदे की दूसरी ओर घटती घटना के आतंक से आँगन के बीचोंबीच भय से इकट्ठी खड़ी हो काँप रही थीं । सहसा परदा हट जाने से औरतें ऐसे सिकुड़ गईं जैसे उनके शरीर का वस्त्र खींच लिया गया हो । वह परदा ही तो घर की औरतों के शरीर का वस्त्र था । उनके शरीर पर बचे चीथड़े उनके एक-तिहाई अंग ढकने में भी असमर्थ थे—जाहिल भीड़ ने घृणा और शर्म से आँखें फेर लीं ।

अथवा

फिर भी मैंने देखा—उन आँखों में कुछ विचित्र-सा था, मानो मालती के भीतर कहीं कुछ चेष्टा कर रहा हो, किसी बीती हुई बात को याद करने की, किसी बिखरे हुए वायुमंडल को पुनः जगाकर गतिमान करने की, किसी टूटे हुए व्यवहार तन्तु को पुनरुज्जीवित करने की चेष्टा में सफल न हो रहा हो.....वैसे-जैसे बहुत देर से प्रयोग में न लाया हुआ अंग कोई व्यक्ति एकाएक उठाने लगे और पाए कि वह उठता नहीं है, चिरविस्मृति में मानो मर गया

कारण उसका पति गाड़ी पर ठीक तरह से चढ़ नहीं पा रहा है कि उसका पैर जम नहीं पा रहा है । वह गाड़ी के साथ-साथ भागती हुई अपनी दो गठरियों के बावजूद अपने पति के पैर को पकड़-पकड़कर सीढ़ी पर टिकाने की कोशिश कर रही थी । तभी सहसा डंडहरे पर उस आदमी के दोनों हाथ छूट गए और वह कटे पेड़ की भाँति नीचे जा गिरा । उसके गिरते ही औरत ने भागना बंद कर दिया, मानो दोनों का सफर एक साथ ही खत्म हो गया हो ।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **3×12=36**

(क) '''गोदान' कृषक जीवन का महाकाव्य है ।'' इस कथन पर विचार कीजिए ।

अथवा

'गोदान' के आधार पर प्रेमचन्द के दलित चेतना संबंधी विचार स्पष्ट कीजिए ।

(ख) 'मैला आँचल' में चित्रित लोक-जीवन पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

आँचलिक उपन्यास परम्परा में 'मैला आँचल' की आँचलिकता स्पष्ट कीजिए ।

(ग) 'गोदान' में आदर्शोन्मुख यथार्थवाद का चित्रण है। स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

'मैला आँचल' के नायकत्व पर विचार कीजिए।

3. निम्नलिखित लघूत्तरीय प्रश्नों में से किन्हीं **पाँच** के उत्तर **250** शब्दों में दीजिए : **5×3=15**

(क) जैनेन्द्र के उपन्यास 'त्यागपत्र' का परिचय दीजिए।

(ख) भगवतीचरण वर्मा की उपन्यास कला का संक्षिप्त परिचय दीजिए ।

(ग) अमृतलाल नागर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए ।

(घ) 'आपका बंटी' उपन्यास का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

(ङ) बाल शॉरिरैड्डी के किसी **एक** उपन्यास का परिचय दीजिए ।

(च) 'वंग महिला' का कहानी साहित्य में स्थान निर्धारित कीजिए ।

(छ) सिद्ध कीजिए कि अज्ञेय एक मनोवैज्ञानिक लेखक हैं ?

(ज) यशपाल की कहानियों में समाज चित्र पर प्रकाश डालिए ।

(झ) पाण्डेय वेचन शर्मा उग्र की कहानियों में निहित राष्ट्रीय चेतना पर प्रकाश डालिए ।

(ञ) अमरकांत की कहानियों में पात्र योजना स्पष्ट कीजिए ।

4. सभी वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **8×1=8**

(क) 'गुण्डा' कहानी के नायक का नाम बताइए ।

(ख) 'रोज' कहानी में लेखक किससे मिलने आया था ?

(ग) 'अमृतसर आ गया है' कहानी किस भावना पर आधारित है ?

(घ) 'झुनिया' किस उपन्यास की पात्रा है ?

(ङ) 'मंगल' किसका लड़का था ?

(च) 'गोदान' के **दो** शहरी पात्रों के नाम बताइए ।

(छ) 'मैला आँचल' में किस अंचल की गाथा है ?

(ज) 'गन्ही महतया' कौन है ?